



प्रेस विज्ञप्ति – पांचवा दिन

हस्तशिल्प एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 का द्वितीय संस्करण

ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर (टीएफसी), बोरानाडा, जोधपुर (राजस्थान)

15 से 19 जनवरी 2026

जोधपुर में आर्टिफैक्ट्स-2026 का उत्साहपूर्ण माहौल के साथ सफल समापन

खरीदारों की मजबूत मौजूदगी, रिपीट विजिट्स और जीवंत सांस्कृतिक संध्याओं ने द्वितीय संस्करण को बनाया यादगार

जोधपुर, राजस्थान | 19 जनवरी 2026: एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल फॉर हैंडीक्राफ्ट्स (ईपीसीएच) द्वारा 15 से 19 जनवरी 2026 तक ट्रेड फेसीलिटेशन सेंटर (टीएफसी), बोरानाडा, जोधपुर में आयोजित हैंडीक्राफ्ट्स एक्सपो (आर्टिफैक्ट्स)-2026 के द्वितीय संस्करण का आज उत्साहजनक माहौल में समापन हुआ। पाँच दिनों के दौरान ट्रेड विजिट्स, खरीदारों और उपभोक्ताओं की मजबूत भागीदारी देखने को मिली। यह एक्सपो भारत के हस्तनिर्मित होम एवं लाइफस्टाइल उत्पादों के लिए एक व्यवसाय-तैयार मार्केटप्लेस के रूप में सामने आया, साथ ही ‘मैजिक ऑफ गिफ्टेड हैंड्स’ थीम के अंतर्गत देश की शिल्प परंपराओं की गहराई, प्रामाणिकता और सांस्कृतिक आत्मा का उत्सव भी बना।

समापन दिवस पर अपने विचार साझा करते हुए ईपीसीएच के अध्यक्ष डॉ. नीरज खन्ना ने कहा, “आर्टिफैक्ट्स-2026 के समापन पर हम खरीदार सहभागिता की गुणवत्ता, रिपीट विजिटर फुटफॉल और विभिन्न श्रेणियों में निरंतर रुचि से उत्साहित हैं। इस संस्करण ने आर्टिफैक्ट्स को एक सार्थक मार्केटप्लेस के रूप में और मजबूत किया है, जहाँ भारत की शिल्प उत्कृष्टता को गंभीर खरीद रुचि का समर्थन मिलता है तथा ‘मैजिक ऑफ गिफ्टेड हैंड्स’ प्रामाणिक उत्पादों और प्रभावशाली शिल्प कथाओं के माध्यम से सामने आता है। अब हमारा फोकस कारीगरों एवं निर्यातकों के लिए प्रत्यक्ष मार्केट लिंकेज को और मजबूत करने तथा इसे एक दीर्घकालिक घरेलू प्लेटफॉर्म के रूप में विकसित करने पर रहेगा, जो विकास, नवाचार और आजीविका को समर्थन दे।”

महानिदेशक की भूमिका में मुख्य संरक्षक और आईईएमएल के अध्यक्ष डॉ. राकेश कुमार ने बताया, “आर्टिफैक्ट्स-2026 ईपीसीएच के प्रमुख निर्यात मंचों को पूरक बनाते हुए उत्पादकों के लिए एक अतिरिक्त घरेलू मार्केट चैनल तैयार करता है, जिससे उनकी बाजार रेजिलियंस बढ़ती है। पाँच दिनों के नतीजे जोधपुर जैसे स्थापित सोसाइटी बेस में आयोजित ऐसे क्षेत्रीय मंचों की उपयोगिता को पुनः प्रमाणित करते हैं, जो निर्माताओं को जोखिम विविधीकरण, भारत में बाजार पहुँच विस्तार तथा संस्थागत, ऑनलाइन और रिटेल

खरीद सेगमेंट्स में दृश्यता मजबूत करने में मदद करते हैं। हमारा प्रयास संरचित प्लेटफॉर्म और सहयोग के माध्यम से निर्यात-गुणवत्ता वाले हस्तनिर्मित उत्पादों के लिए टिकाऊ घरेलू मांग-लिंकेंज बनाते रहना है।”

ईपीसीएच के उपाध्यक्ष श्री सागर मेहता ने कहा, “अंतिम दिन यह फिर से साबित करता है कि आर्टिफैक्ट्स का उद्देश्य मजबूत सोर्सिंग गतिविधि, वास्तविक खरीदार पूछताछ और उत्साहजनक कन्वर्जन है। पूरे एक्सपो के दौरान भाग लेने वाले निर्माता और शिल्प उद्यम घरेलू वॉल्यूम खरीदारों, सोर्सिंग प्रोफेशनल्स, संगठित रिटेल व ई-कॉमर्स प्रतिनिधियों, डिज़ाइनर्स और हॉस्पिटैलिटी खरीदारों सहित विविध विज़िटर प्रोफाइल से जुड़े, जिससे निरंतर पूछताछ, बातचीत और ऑन-द-स्पॉट खरीद दर्ज हुई।”

ईपीसीएच की प्रशासनिक समिति के सदस्य श्री निर्मल भंडारी ने कहा, “समापन दिवस की सफलता आर्टिफैक्ट्स की विशिष्ट ताकत को दर्शाती है जहाँ व्यावसायिक अवसर और सांस्कृतिक उत्सव का सुंदर संगम होता है। पाँच दिनों में लगभग 12,500 आगंतुकों ने मेले में भाग लिया। रिटेल विज़िटर्स और घरेलू वॉल्यूम खरीदारों के अलावा हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के प्रतिनिधि, आर्किटेक्ट्स, डिज़ाइनर्स, ई-टेलर्स और लाइफस्टाइल सेक्टर प्रोफेशनल्स भी शामिल रहे। साथ ही एक्सपो को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी रुचि मिली, जिससे विभिन्न बाजारों में भारतीय हस्तनिर्मित उत्पादों की बढ़ती प्राप्तिकता और मजबूत हुई।”

उन्होंने आगे कहा, “राजस्थानी लोक नृत्य, ‘मो हिट’ बैंड की लाइव म्यूजिकल परफॉर्मेंस तथा ‘फुटवियर डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट (एफडीडीआई) द्वारा प्रस्तुत फैशन शो ने विज़िटर्स को लंबे समय तक जोड़े रखा और बार-बार आने का मौका दिया, जिससे प्रदर्शकों को निरंतर फुटफॉल का प्रत्यक्ष लाभ मिला।”

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक, श्री राजेश रावत ने कहा, “हम श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, माननीय केन्द्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने इस संस्करण का उद्घाटन किया। साथ ही श्री जोगाराम पटेल, माननीय मंत्री, संसदीय कार्य, कानून और कानूनी मामलों, कानूनी सलाह और न्याय राजस्थान सरकार; श्री जसवंत सिंह बिश्वोई, पूर्व लोकसभा सदस्य; श्री रविंद्र सिंह भाटी, राजस्थान विधानसभा सदस्य (शोओ विधानसभा क्षेत्र); श्री ओम प्रकाश, पुलिस आयुक्त (जोधपुर) तथा अन्य विशिष्ट अतिथियों के मेले में आगमन के लिए भी आभारी हैं। गणमान्य व्यक्तियों का प्रदर्शकों से संवाद, उत्पाद प्रदर्शन की सराहना तथा आयोजन टीम का उत्साहवर्धन वास्तव में अत्यंत प्रेरणादायी रहा।”

श्री रावत ने आगे कहा, “इस मेले के आयोजन की अपनी चुनौतियाँ थीं, परंतु जोधपुर क्षेत्र के सदस्यों के सहयोग से यह आयोजन अत्यंत सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और पाँचों दिन राजस्थान की हस्तशिल्प एवं सांस्कृतिक विरासत का एक अनूठा प्रतिनिधित्व बनकर सामने आया। हमें मिली प्रतिक्रिया से हम अत्यंत प्रसन्न और उत्साहित हैं, विशेषकर हमारे प्रदर्शकों, कारीगरों और उभरते उद्यमियों को मिले सकारात्मक स्वागत से।”

हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद देश से हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ावा देने और देश के शिल्प क्लस्टर्स में होम, लाइफस्टाइल, टेक्सटाइल, फर्नीचर और फैशन ज्वेलरी एवं एक्सेसरीज के उत्पादन में लगे लाखों कारीगरों और शिल्पकारों के हुनरमंद हाथों के जादू की ब्रांड इमेज बनाने के लिए एक नोडल संस्था है। साल 2024-25 के दौरान कुल हस्तशिल्प निर्यात 33,123 करोड़ रुपये (3,918 मिलियन अमेरिकी डॉलर) रहा। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री राजेश रावत ने बताया कि साल 2024-25 के दौरान राजस्थान से हस्तशिल्प का निर्यात 6414.19 करोड़ रुपये था, इस निर्यात में जोधपुर का हिस्सा 50.19% रहा।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

श्री राजेश रावत, कार्यकारी निदेशक, ईपीसीएच

+91-9810423612



PRESS RELEASE – Day 5

2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026
Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur (Rajasthan)
from 15th to 19th January 2026

Artefacts-2026 Concludes on a High Note at Jodhpur

Strong buyer engagement, repeat visitor footfall and vibrant cultural evenings mark the successful close of the 2nd edition

Jodhpur, Rajasthan 19th January 2026: The 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026, organised by the Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) from 15th to 19th January 2026 at the Trade Facilitation Centre (TFC), Boranada, Jodhpur, concluded today on an encouraging note with strong participation from trade visitors, buyers and consumers across the five-day event. The Expo served as a business-ready marketplace for India's handcrafted home and lifestyle products, while celebrating the depth, authenticity and cultural resonance of the country's craft traditions under the theme "The Magic of Gifted Hands."

Sharing his thoughts on concluding day, Dr. Neeraj Khanna, Chairman, EPCH said, "As Artefacts-2026 concludes, we are encouraged by the quality of buyer engagement, repeat visitor footfall and the consistent interest shown across categories. This edition has reinforced Artefacts as a meaningful marketplace where India's craft excellence meets serious buying interest, while the 'Magic of Gifted Hands' is celebrated through authentic products and compelling craft stories. Now our focus remains on strengthening direct market linkages for artisans and exporters and building this into a long-term domestic platform that supports growth, innovation and livelihoods."

Dr. Rakesh Kumar, Director General in role of Chief Mentor, EPCH & Chairman, IEML, informed, "Artefacts-2026 complements EPCH's flagship export platforms by creating an additional domestic market channel that strengthens resilience for producers. The outcomes across five days reaffirm the value of regionally anchored shows like this in Jodhpur, an established sourcing base helping manufacturers diversify risk, expand India market reach and strengthen visibility across institutional, online and retail buying segments. Our endeavour is to keep building sustainable domestic demand linkages for export-quality handcrafted products through structured platforms and collaboration."

Shri Sagar Mehta, Vice Chairman, EPCH shared that “The final day reaffirms what Artefacts stands for, strong sourcing activity, genuine buyer enquiries and encouraging conversions. Over the course of the Expo, participating manufacturers and craft enterprises engaged with a wide mix of visitors including domestic volume buyers, sourcing professionals, organised retail and e-commerce representatives, designers and hospitality buyers, resulting in sustained enquiries, negotiations and on-the-spot purchases.”

Shri Nirmal Bhandari, Member CoA, EPCH added “The success of the closing day reflects the unique strength of Artefacts, business opportunity blended with cultural celebration. During the five days, around 12,500 visitors attended the fair. Apart from retail visitors and domestic volume buyers, hoteliers, architects, designers, e-tailers and lifestyle sector professionals, the expo also drew international interest, reinforcing the growing relevance of Indian handmade products across markets attended.”

“The Rajasthani folk dances, live musical performances by MO HIT Band and the fashion show by Footwear Design & Development Institute (FDDI) created longer visitor engagement and repeat visits, directly benefiting exhibitors through sustained footfall”, He added further

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH shared “We are grateful to Shri Gajendra Singh Shekhawat, Hon’ble Union Minister of Culture and Tourism, Govt. of India, for inaugurating the edition and also to Shri Jogaram Patel, Cabinet Minister of Parliamentary Affairs & Justice Department; Shri Jaswant Singh Bishnoi, former Member of the Lok Sabha; Shri Ravindra Singh Bhati, Member of Rajasthan Legislative Assembly, Sheo Constituency; Shri Om Prakash, Commissioner of Police (Jodhpur) and other distinguished guests for their visits. Dignitaries’ interaction with the exhibitors, appreciation of the product display and the organising teams has been very encouraging indeed.

Shri Rawat further added “Organising this fair had its own challenges but the support from members of Jodhpur region made it unfold beautifully and run its five days course as a unique representation of Rajasthan’s handicraft as well as cultural heritage. We are thrilled and encouraged by the response, especially the enthusiastic reception for our exhibitors, craftspeople and upcoming entrepreneurs.”

Export Promotion Council for Handicrafts is a nodal organization for promotion of exports of handicrafts from the country and create brand image of magic of the gifted hands of millions of artisans and crafts persons engaged in production of home, lifestyle, textiles, furniture, and fashion jewellery & accessories in craft clusters of the country. The overall Handicrafts exports during the year 2024-25 was Rs. 33,123 Crores (US \$ 3,918 Million). The exports of handicrafts from Rajasthan during the year 2024-25 was Rs. 6414.19 crores with Jodhpur comprising share is 50.19% in exports added Shri Rajesh Rawat, Executive Director - EPCH.

For more information please contact:

Shri Rajesh Rawat, Executive Director, EPCH
+91-9810423612

Encl: Hindi & English with photos



Photo 1, 2 & 3: Visitors transacting business during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 at TFC, Jodhpur.



Photo 4: Live Craft Demonstration by the participating artisans during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 at TFC, Jodhpur.



Photo 5: Rajasthani cultural performance during 2nd Edition of Handicrafts Expo (Artefacts)-2026 at TFC, Jodhpur.